चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर........

दिनांक 10.4.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6-7

पर्यावरण और भूमि संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरीः वीसी

एचएयू के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में पौधरोपण

एचएयू में पौधारोपण करते विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

भास्कर न्यूज़| हिसार

पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करना चाहिए।

ये विचार एचएयू के वीसी प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विवि के विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वृक्षारोपण समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस दौरान किसान सेवा केंद्र की प्रबंधक डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी ने केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों, जिनमें मुख्यतः विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों, सब्जियों इत्यादि के उन्नत व उच्च किस्मों के बीजों की उपलब्धता इत्यादि की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कंबोज, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, गृह विज्ञान कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. राकेश सांगवान, भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, डॉ. अवतार सिंह सहित विभाग के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक सवेरा ....

दिनांक 10.4.2021 ...... पृष्ठ संख्या ...3...... कॉलम ...1-2......

हकृवि के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वृक्षारोपण समारोह आयोजित

पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

हिसार (सोढी) : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में शुक्रवार को वृक्षारोपण समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। साथ ही उस पौधे की जिम्मेदारी लेते हुए उसे फलने- फूलने तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। पौधारोपण उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक द्वारा केंद्र का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान किसान सेवा केंद्र की प्रबंधक डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी ने केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यो, जिनमें विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों, सब्जियों इत्यादि के उन्नत व उच्च किस्मों के बीजों की उपलब्धता, बिक्री, टोल फी हेल्पलाइन सेवा एवं कृषि संबंधित जानकारियां आगन्तुक किसानों को प्रदान करना इत्यादि की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. राकेश सांगवान, भू-दृश्य सरंचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, डॉ. अवतार सिंह सहित विभाग के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......दैनिक जागरण.......

दिनांक ..10.11.2021.. पृष्ठ संख्या......3...... कॉलम.....7-8.....

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : कुलपति

पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। ● पीआरओ

हिसार : पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में पौधरोपण जरूरी है। पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्या में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में पौधारोपण समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**11.04.2021**	--	--

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्ंया में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वृक्षारोपण समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। साथ ही उस पौधे की जिम्मेदारी लेते हुए उसे फलने-फूलने तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। पौधारोपण उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक द्वारा केंद्र का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान किसान सेवा केंद्र की प्रबंधक डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी ने केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों, जिनमें मुख्यतः विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों, सब्जियों इत्यादि के उन्नत व उच्च किस्मों के बीजों की उपलब्धता, बिक्री, टोल फ्री हेल्पलाइन सेवा एवं कृषि संबंधित जानकारियां आगन्तुक किसानों को प्रदान करना इत्यादि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	**11.04.2021**	--	--

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रो. समर सिंह

एचएयू के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वृक्षारोपण समारोह आयोजित

हिसार | सिरसा टुडे

पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्ंया में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वृक्षारोपण समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। साथ ही उस पौधे की जिम्मेदारी लेते हुए उसे फलने-फूलने तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। पौधारोपण उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक द्वारा केंद्र का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान किसान सेवा केंद्र की प्रबंधक डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी ने केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों, जिनमें मुख्यत- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों, सब्जियों इत्यादि के उन्नत व उच्च किस्मों के बीजों की उपलब्धता, बिक्री, टोल फ्री हेल्पलाइन सेवा एवं कृषि संबंधित जानकारियां आगन्तुक किसानों को प्रदान करना इत्यादि की जानकारी दी।

ये भी रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. राकेश सांगवान, भू-दृश्य सरंचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, डॉ. अवतार सिंह सहित विभाग के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	**10.04.2021**	--	--

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 अप्रैल : पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्या में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वृक्षारोपण समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। साथ ही उस पौधे की जिम्मेदारी लेते हुए उसे फलने-फूलने तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। पौधारोपण उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक द्वारा केंद्र का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान किसान सेवा केंद्र की प्रबंधक डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी ने केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यो, जिनमें मुख्यत: विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों, सब्जियों इत्यादि के उन्नत व उच्च किस्मों के बीजों की उपलब्धता, बिक्री, टोल फ्री हेल्पलाइन सेवा एवं

कृषि संबंधित जानकारियां आगन्तुक किसानों को प्रदान करना इत्यादि की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. राकेश सांगवान, भू-दृश्य सरंचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, डॉ. अवतार सिंह सहित विभाग के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...दैनिक सवेरा...

दिनांक 10.4.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 2-7

कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के मुताबिक करें तैयार, किसान फसल गुणवत्ता का भी रखें ध्यानः वीसी

एचएयू में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण हुआ

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं, ताकि तकनीकों का आदान-प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इसे विवि के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक।

उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए सक्षम व सफल उद्यमी बनने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसी व्यवसाय को शुरू करने से पहले बहुत सहायक हो सकते हैं। साथ ही भविष्य में कृषि विज्ञान, पशु विज्ञान, कृषि व्यवसाय व रचनात्मक स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में लाभदायक होंगे। सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुज राणा ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों में सामंजस्य होना जरूरी : डॉ. सिद्धपुरिया

भास्कर न्यूज | हिसार

जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है।

ये विचार मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। इस तरह के कोर्स का आयोजन प्रतिभागियों को कृषि अनुसंधान के नवीनतम परिदृश्यों से अवगत करवाने व शोध प्रस्ताव के विभिन्न घटकों को लिखने एवं परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जाता है।

इस रिफ्रेशर कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है, ताकि यहां से हासिल ज्ञान का वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक उपयोग कर सकें। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जोकि किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिक ले रहे हिस्सा

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और कोर्स के बारे में जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तर प्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से हैं। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और अगामी दिनों में विषय-सारिणी पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...अमर उजाला...

दिनांक 10.4.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 1-4

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग मिलेगा अधिक मुनाफा : प्रो. समर सिंह

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जीनिया टेक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जीनिया टेक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व ट्विंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही कृषि व्यवसाय से होने वाले लाभ को भी विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत किया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करना जरूरी

पौधरोपण कार्यक्रम में उपस्थित स्टॉफ सदस्य व छात्राएं।

हिसार। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में अधिक से अधिक पौधरोपण जरूरी है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करें। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में शुक्रवार को आयोजित पौधरोपण समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। पौधारोपण उपरांत कुलपति व कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक ने केंद्र का निरीक्षण भी किया। इस दौरान किसान सेवा केंद्र की प्रबंधक डॉ. बिमलेंद्र कुमारी ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों, सब्जियों आदि के उन्नत व उच्च किस्मों के बीजों की उपलब्धता, बिक्री, टोल फ्री हेल्पलाइन सेवा एवं कृषि संबंधित जानकारियां आगंतुक किसानों को प्रदान करना आदि की जानकारी दी।

कृषि अनुसंधान का तकनीक से सामंजस्य जरूरी : डॉ. सिद्धपुरिया

हिसार(ब्यूरो)। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कहाकि जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है। हकृवि में शुक्रवार को आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक 10.4.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 2-5

'एच.ए.यू. में इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का ऑनलाइन आयोजन'

हिसार, 9 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एच.ए.यू. व अमरीका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान संबोधित करते विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व उपस्थित प्रतिभागी।

भी बढ़ाएं, ताकि तकनीकों का आदान-प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डिवैल्पमैंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजैक्ट के तहत करवाया गया। इसे विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इस प्रशिक्षण में अमरीका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व ट्विंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक सवेरा

दिनांक: 10. 6. 2021 पृष्ठ संख्या: 3 कॉलम: 2-8

एचएयू में ऑनलाइन इंडो -यूएस- अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग, मिलेगा अधिक मुनाफा : कुलपति

हिसार, 9 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस- अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया।

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व उपस्थित प्रतिभागी।

व्यवसाय में आने वाली बाधाओं से कराया अवगत

प्रशिक्षण के दौरान प्रगतिशील किसानों व उद्यमियों द्वारा विकसित तकनीकों व उनकी कुशतला को प्रदर्शित किया गया, जिसे अफगानी प्रशिक्षणार्थियों से बहुत सराहा। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक दलविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय में आने वाली विभिन्न बाधाओं से अवगत करवाते हुए उन्हें अवसर में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसी भी व्यवसाय को शुरू करने से पहले बहुत ही सहायक हो सकते हैं। साथ ही भविष्य में कृषि विज्ञान, पशु विज्ञान, कृषि व्यवसाय व रचनात्मक स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में भी लाभदायक होंगे।

उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए सक्षम व सफल उद्यमी बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ.सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व टविंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही कृषि व्यवसाय से होने वाले लाभ को भी विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। सहायक वैज्ञानिक डा. अनुज राणा ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक सवेरा......

दिनांक 10.4.2021....पृष्ठ संख्या......3......कॉलम......7-8......

हकृवि में रिफ्रैशर कोर्स शुरू, देशभर के वैज्ञानिक ले रहे हिस्सा

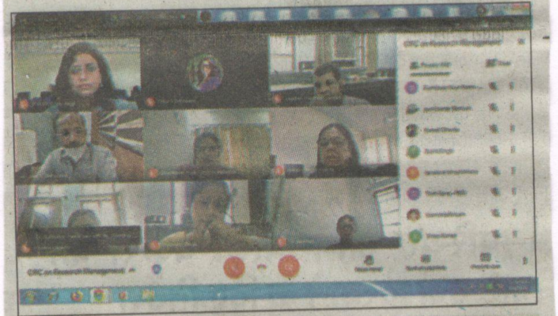

प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

हिसार, 9 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : जीवन में आगे बढने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है। ये विचार मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस तरह के रिफ्रैशर कोर्स का आयोजन प्रतिभागियों को कृषि अनुसंधान के नवीनतम परिदृश्यों से अवगत करवाने व शोध प्रस्ताव के विभिन्न घटकों को लिखने एवं परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रैसर कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है ताकि यहां से हासिल ज्ञान का वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग कर सकें। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिक ले रहे हिस्सा

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से हैं। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और अगामी दिनों में विषय-सारिणी पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**11.04.2021**	--	--

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग, मिलेगा अधिक मुनाफा : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए सक्षम व सफल उद्यमी बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

एचएयू में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	10.04.2021	--	--

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग, मिलेगा अधिक मुनाफा : प्रो. समर सिंह

एचएयू में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया।

133 प्रतिभागी शामिल हुए : डॉ. राजबीर सिंह

स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व टविंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही कृषि व्यवसाय से होने वाले लाभ को भी विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक दलविंद्र सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय में आने वाली विभिन्न बाधाओं से अवगत करवाते हुए उन्हें अवसर में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुज राणा ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**10.04.2021**	--	--

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग, मिलेगा अधिक मुनाफा : प्रोफैसर समर सिंह

एचएयू में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

हिसार, 9 अप्रैल (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यू.एस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इसे विश्वविद्यालय के अंतराष्ट्रीय माम्लों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए सक्षम व सफल उद्यमी बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ.सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व टविंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया।

हिसार : ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व उपस्थित प्रतिभागी।

प्रशिक्षण के दौरान प्रगतिशील किसानों व उद्यमियों द्वारा विकसित तकनीकों व उनकी कुशतला को प्रदर्शित किया गया, जिसे अफगानी प्रशिक्षणार्थियों से बहुत सराहा। अंतरराष्ट्रीय माम्लों के संयोजक दलविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय में आने वाली विभिन्न बाधाओं से अवगत करवाते हुए उन्हें अवसर में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुज राणा ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	**10.04.2021**	--	--

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग, मिलेगा अधिक मुनाफा : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए सक्षम व सफल उद्यमी बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ.सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व टविंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही कृषि व्यवसाय से होने वाले लाभ को भी विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रगतिशील किसानों व उद्यमियों द्वारा विकसित तकनीकों व उनकी कुशतला को प्रदर्शित किया गया, जिसे अफगानी प्रशिक्षणार्थियों से बहुत सराहा। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक दलविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय में आने वाली विभिन्न बाधाओं से अवगत करवाते हुए उन्हें अवसर में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसी भी व्यवसाय को शुरू करने से पहले बहुत ही सहायक हो सकते हैं। साथ ही भविष्य में कृषि विज्ञान, पशु विज्ञान, कृषि व्यवसाय व रचनात्मक स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में भी लाभदायक होंगे। सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुज राणा ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु न्यूज	10.04.2021	--	--

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की है मांग, मिलेगा अधिक मुनाफा : समर सिंह

हिसार,9 अप्रैल (देशबन्धु)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो.समर सिंह ने कहा है कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें।

कुलपति प्रो.समर सिंह एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन ईडी-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान-प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया।

व्यवसाय में आने वाली बाधाओं से कराया अवगत

इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

अनुसंधान निदेशक डॉ.एसके सहरावत ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए सक्षम व सफल उद्यमी बनने का आह्वान किया।

व्यवसाय में आने वाली बाधाओं से कराया अवगत

प्रशिक्षण के दौरान प्रगतिशील किसानों व उद्यमियों द्वारा विकसित तकनीकों व उनकी कुशलता को प्रदर्शित किया गया, जिसे अफगानी प्रशिक्षणार्थियों ने बहुत सराहा। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक दलविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय में आने वाली विभिन्न बाधाओं से अवगत करवाते हुए उन्हें अवसर में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसी भी व्यवसाय को शुरू करने से पहले बहुत ही सहायक हो सकते हैं। साथ ही भविष्य में कृषि विज्ञान, पशु विज्ञान, कृषि व्यवसाय व रचनात्मक स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में भी लाभदायक होंगे। सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुज राणा ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**10.04.2021**	--	--

एचएयू में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग, मिलेगा अधिक मुनाफा : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों व मुख्यातिथि का प्रशिक्षण में शामिल होने पर धन्यवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए सक्षम व सफल उद्यमी बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ.सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व टविंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही कृषि व्यवसाय से होने वाले लाभ को भी विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत किया।

व्यवसाय में आने वाली बाधाओं से कराया अवगत

प्रशिक्षण के दौरान प्रगतिशील किसानों व उद्यमियों द्वारा विकसित तकनीकों व उनकी कुशतला को प्रदर्शित किया गया, जिसे अफगानी प्रशिक्षणार्थियों से बहुत सराहा। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक दलविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय में आने वाली विभिन्न बाधाओं से अवगत करवाते हुए उन्हें अवसर में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसी भी व्यवसाय को शुरू करने से पहले बहुत ही सहायक हो सकते हैं। साथ ही भविष्य में कृषि विज्ञान, पशु विज्ञान, कृषि व्यवसाय व रचनात्मक स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में भी लाभदायक होंगे। सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुज राणा ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी : प्रो. समर सिंह

हिसार। पर्यावरण व भूमि संरक्षण के लिए मौजूदा समय में वृक्षारोपण जरूरी है। वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प हम सभी को लेने की जरूरत है। हमारा कर्तव्य है कि पर्यावरण सुधार के लिए अधिक से अधिक सख्या में पौधारोपण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र में वृक्षारोपण समारोह के दौरान बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधा अवश्य लगाना चाहिए। साथ ही उस पौधे की जिम्मेदारी लेते हुए उसे फलने-फूलने तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। पौधारोपण उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक द्वारा केंद्र का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान किसान सेवा केंद्र की प्रबंधक डॉ. बिमलेन्द्र कुमारी ने केंद्र द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यो, जिनमें मुख्यत: विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों, सब्जियों इत्यादि के उन्नत व उच्च किस्मों के बीजो की उपलब्धता, बिक्री, टोल फ्री हेल्पलाइन सेवा एवं कृषि संबंधित जानकारियां आगन्तुक किसानों को प्रदान करना इत्यादि की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कंबोज, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरूण वर्मा, डॉ. राकेश सांगवान, भू-दृश्य सरंचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, डॉ. अवतार सिंह सहित विभाग के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**10.04.2021**	--	--

कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग : कुलपति

हिसार/09 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाईन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को सूक्ष्म विज्ञान से संबंधित सार्वजनिक निजी साझेदारी सिद्धांत के बारे में जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, अफगानिस्तान से जरमलवॉल व भारत के वैज्ञानिकों सहित कुल 133 प्रतिभागी ऑनलाईन माध्यम से शामिल हुए। प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व ट्विंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को समझाया। साथ ही कृषि व्यवसाय से होने वाले लाभ को भी विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक दलविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को व्यवसाय में आने वाली विभिन्न बाधाओं से अवगत करवाते हुए उन्हें अवसर में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. अनुज राणा ने मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**10.04.2021**	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन समय की मांग है। इसलिए किसान कृषि उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार करें। वे एचएयू व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय और खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण से हासिल ज्ञान का अधिक से अधिक फायदा उठाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेल मिलाप को भी बढ़ाएं ताकि तकनीकों का आदान प्रदान हो सके और किसानों को फायदा मिल सके। इस प्रशिक्षण में 133 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। प्रशिक्षण में एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ.सीमा रानी व उनकी टीम से विक्रम सिंधु, निशा व टविंकल ने कृषि व्यवसाय व खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय व स्टार्टअप्स प्रणाली को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही कृषि व्यवसाय से होने वाले लाभ को भी विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**10.04.2021**	--	--

बदलते परिवेश में कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 अप्रैल : जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है। ये विचार मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन प्रतिभागियों को कृषि अनुसंधान के नवीनतम परिदृश्यों से अवगत करवाने व शोध प्रस्ताव के विभिन्न घटकों को लिखने एवं परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेसर कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है ताकि यहां से हासिल ज्ञान का वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग कर सकें। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से हैं। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और अगामी दिनों में विषय-सारिणी पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**10.04.2021**	--	--

बदलते परिवेश में कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : डॉ. एमएस सिद्धपुरिया

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स शुरू, देशभर के वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है। ये विचार मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के रिफ्रेशर कोर्स

का आयोजन प्रतिभागियों को कृषि अनुसंधान के नवीनतम परिदृश्यों से अवगत करवाने व शोध प्रस्ताव के विभिन्न घटकों को लिखने एवं परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जाता है।

उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेसर कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है ताकि यहां से हासिल ज्ञान का वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग कर सकें। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से हैं। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और अगामी दिनों में विषय-सारिणी पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	**10.04.2021**	--	--

बदलते परिवेश में कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : डॉ. सिद्धपुरिया

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स शुरू, देशभर के वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा

हिसार, 9 अप्रैल (देवानंद) : जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है। ये विचार मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन प्रतिभागियों को कृषि अनुसंधान के नवीनतम परिदृश्यों से अवगत करवाने व शोध प्रस्ताव के विभिन्न घटकों को लिखने एवं परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेसर कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है ताकि यहां से हासिल ज्ञान का वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग कर सकें। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा : पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से हैं। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और अगामी दिनों में विषय-सारिणी पर प्रकाश डाला।

हिसार : प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सम्बोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	10.04.2021	--	--

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स शुरू, देशभर के वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा

हिसार | सिरसा टुडे

जीवन में आगे बढने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है। ये विचार मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन प्रतिभागियों को कृषि अनुसंधान के नवीनतम परिदृश्यों से अवगत करवाने व शोध प्रस्ताव के विभिन्न घटकों को लिखने एवं परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेसर कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है ताकि यहां से हासिल ज्ञान का वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग कर सकें। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**10.04.2021**	--	--

सार समाचार

बदलते परिवेश में कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों के साथ सामंजस्य जरूरी : डॉ. सिद्धपुरिया

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स शुरू, देशभर के वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा

हिसार। जीवन में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान समय की नई तकनीकों के साथ सामंजस्य बैठाना जरूरी है। इसलिए कृषि अनुसंधान में बदलते परिवेश के चलते कृषि वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों को समझना जरूरी है। ये विचार मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कहे। वे ऑनलाइन माध्यम से निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन प्रतिभागियों को कृषि अनुसंधान के नवीनतम परिदृश्यों से अवगत करवाने व शोध प्रस्ताव के विभिन्न घटकों को लिखने एवं परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेसर कोर्स का मुख्य उद्देश्य कृषि वैज्ञानिकों को कृषि अनुसंधान की आधुनिक तकनीकों व नवीनतम जानकारियों से अवगत करवाना है ताकि यहां से हासिल ज्ञान का वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग कर सकें। इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से हैं। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और अगामी दिनों में विषय-सारिणी पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ दैनिक भास्कर ....

दिनांक ..12-05-2021.... पृष्ठ संख्या.....03..... कॉलम.....01-04.....

ऑनलाइन परीक्षा में नकल रोकना विश्वविद्यालयों के लिए चुनौती

ऑनलाइन पढ़ाई, छात्रों को नहीं जानते शिक्षक, परीक्षा में बैठ रहे दूसरे छात्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में सामने आ चुका दूसरे की जगह परीक्षा देने का मामला

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र/रोहतक/हिसार

कोरोना के चलते केयू की परीक्षाएं ऑनलाइन चल रही हैं। इन परीक्षाओं में नकल रोकना केयू प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों पर निगरानी रखने के लिए केयू के पास कोई सॉफ्टवेयर ही नहीं है। ऊपर से स्क्रीन इतनी छोटी होती है कि निरीक्षक विद्यार्थियों को ठीक से देख भी नहीं पाते। परीक्षा के दौरान एक दूसरे की जगह पेपर देने तक का मामला सामने आ चुका है। वहीं सूत्रों के मुताबिक एक अन्य मामले में एक प्राइवेट कॉलेज के विद्यार्थी ने पेपर की पीडीएफ में बुक की फोटो कॉपी ही अटैच कर दी।

नए सेशन में बच्चों की ज्यादातर क्लास ऑनलाइन ही लगी। इसका बड़ा नुकसान शिक्षकों को हो रहा है, क्योंकि टीचर व छात्र एक-दूसरे को नहीं जानते। जिससे ऑनलाइन परीक्षा के दौरान विद्यार्थी की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है।

पकड़ा गया दूसरे की जगह पेपर देतेः केयू के एक विभाग का छात्र दूसरे से परीक्षा दिलाता पकड़ा गया। निरीक्षक ने शक होने पर रजिस्टर में फोटो चेक किया तो मामले का खुलासा हुआ।

ऑफलाइन में होती है एफआईआर, ऑनलाइन में नहीं : बता दें कि ऑफलाइन परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने पर एफआईआर कराई जाती है। लेकिन ऑनलाइन में ऐसा नहीं हो रहा। केयू प्रवक्ता दीपक राय बब्बर का कहना है कि ऑनलाइन एक की जगह दूसरे से पेपर दिलाने पर एफआईआर का प्रावधान गाइडलाइन में नहीं है। प्रावधान के अनुसार ही कार्रवाई की जाती है।

एचएयू में पुख्ता प्रबंधः वैसे तो एचएयू प्रशासन परीक्षा ऑफलाइन ही ले रहा है। मगर विदेशी छात्रों के लिए ऑनलाइन परीक्षा का प्रावधान है। विवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मुताबिक ऐसे 20 से 30 विदेशी छात्र ही हैं, जिनकी निगरानी छह टीम करती हैं जिनमें करीब 15 टीचर हैं। जो लिंक के माध्यम से किसी भी समय गूगल मीट से जुड़ सकते हैं। हालांकि ऑनलाइन परीक्षा के दौरान निगरानी के लिए कोई विशेष प्रकार का सॉफ्टवेयर विवि के पास नहीं है।

परीक्षा में नकल करने के विद्यार्थियों के नए तरीके

1. अधिकतर विद्यार्थी पेपर करते समय फोन यूज करते हैं और बीच में फोन आने का बहाना बना वीडियो कॉल काट देते हैं।
2. स्टूडेंट को आधा घंटा स्कैनिंग का दिया गया है लेकिन उसमें भी बच्चे लिखते रहते हैं। इसके एक से डेढ़ घंटे बाद पेपर को मेल करते हैं।
3. तीन घंटे तक ऑनलाइन वीडियो कॉल में डेटा खत्म होने का बहाना बना कट कर देते हैं।

विभाग के लिए ये चुनौती

1. गूगल मीट में एक स्क्रीन पर शिक्षक को 20 से ज्यादा विद्यार्थियों को देखना पड़ता है। जिससे स्क्रीन में विद्यार्थी साफ दिखाई नहीं दे पाते।
2. बीच बीच में इंटरनेट स्लो होने के कारण वीडियो अटक जाता है।

गूगल मीट से रखते हैं विद्यार्थियों पर निगरानी

केयू के जनसंपर्क विभाग के निदेशक बृजेश साहनी का कहना है कि ऑनलाइन परीक्षा को नकल रहित बनाने पर पूरा फोकस है। नकल को पकड़ने के लिए गूगल मीट से विद्यार्थियों पर नजर रखी जा रही है। अलग से कोई सॉफ्टवेयर नहीं खरीदा गया है। यूएमसी केस कितने बनाए, इस संबंध में वे डेटा लेकर ही बता सकते हैं।

एमडीयूः परीक्षा में तोड़ा अनुशासन तो बनेगा यूएमसी

रोहतक | परीक्षा नियंत्रक डॉ. बीएस सिंधु ने बताया विवि स्तर पर होने वाली परीक्षा में परीक्षार्थी को अपनी डिवाइस पर कैमरा लगाना अनिवार्य है। परीक्षा शुरू होने से पहले विद्यार्थी को कैमरे में अपना प्रमाणपत्र दिखाना होगा। इसके बाद उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति होगी। परीक्षार्थी के बीच में उठने या किसी अन्य गतिविधि में शामिल होने पर यूएमसी बनेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... अमर उजाला ....

दिनांक 10.4.2021 .... पृष्ठ संख्या .... 2 .... कॉलम .... 1-4 ....

पराली व गोबर से बनेंगे ब्रिकेट

वैज्ञानिकों ने ब्रिकेट निर्माण में 40 प्रतिशत पराली का इस्तेमाल करने में हासिल की सफलता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। पराली से अब ब्रिकेट बनाए जा सकेंगे और इसे बाद में विभिन्न स्थानों पर ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अब तक ब्रिकेट बनाने में 40 प्रतिशत पराली का प्रयोग करने में सफलता हासिल की है। ब्रिकेट बनाने में पराली की मात्रा को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का अनुसंधान जारी है।

पराली और बुरादे से बनाए गए ब्रिकेट।

"पराली प्रबंधन को लेकर विवि के वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं, इसमें ब्रिकेट बनाना भी शामिल है। हमारा मकसद है कि खेत में पराली न जले और उसके अन्य विकल्प ढूंढे जाएं। इसी के तहत विवि में पराली से ब्रिकेट बनाने के लिए अनुसंधान जारी है।

– प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू हिसार

बढ़ाई जा रही पराली की मात्रा

ब्रिकेट में पराली की मात्रा बढ़ाने को लेकर अनुसंधान जारी है। अभी तक 60 प्रतिशत गोबर और 40 प्रतिशत पराली को मिलाकर ब्रिकेट बनाने में सफलता मिली है। कोशिश की जा रही है कि पराली की मात्रा को अधिक से अधिक किया जा सके। इसमें बारीक कटी पराली को सूखे गोबर में मिक्स किया जाता है। इसके बाद मशीन से इसे कंप्रेस किया जाता है। मशीन से बेलनाकार ब्रिकेट निकलती हैं, जिसे बाद में ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

पहले बुरादे के साथ मिलाकर बनाए गए थे ब्रिकेट

विवि के बेसिक साइंस कॉलेज में माइक्रो बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने बताया कि आमतौर पर बुरादे से ब्रिकेट बनाए जाते हैं। विवि ने इसमें पराली के इस्तेमाल को लेकर शोध शुरू किया है। पहले बुरादे में पराली को मिला कर ब्रिकेट बनाए गए थे, धीरे-धीरे इसमें पराली की मात्रा बढ़ाई गई और इसमें 30 प्रतिशत तक पराली का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद गोबर के साथ पराली मिलाकर ब्रिकेट बनाने का काम शुरू किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला............

दिनांक 12.4.2021 ...पृष्ठ संख्या ......3...... कॉलम .....6-8......

11 जिलों में पराली की गुणवत्ता पर शोध करेगी एचएयू

फिनलैंड की कंपनी लगाएगी बायो फिाइनरी प्लांट

संदीप बिश्नोई

हिसार। पराली के सदुपयोग के लिए प्रदेश के किस जिले में कितनी पराली होती है, उसकी खासियत या गुणवत्ता क्या है और बायो रिफाइनरी प्लांट में उसका किस तरह से उपयोग हो सकता है, इसकी संपूर्ण जानकारी जुटाने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने एक प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है।

प्रोजेक्ट पर फिनलैंड की ल्यूट यूनिवर्सिटी फिनलैंड, फोर्टम कंपनी व एचएयू मिलकर काम करेंगे। प्रोजेक्ट के आरंभिक चरण के तहत एचएयू 32.65 लाख रुपये की लागत से हरियाणा में फसल अवशेषों से संबंधित सर्वे, लैब वर्क पूरा कर रिपोर्ट सौंपेगी।

इन जिलों में पराली पर अध्ययन करेगी टीम : प्रोजेक्ट में मुख्य अनुसंधानकर्ता डॉ. कमला मलिक ने बताया कि उनकी टीम प्रदेश के 11 जिलों में पराली के उत्पादन और उसकी विभिन्न किस्मों के आधार पर उसकी गुणवत्ता का आकलन करेगी। सर्वे से लेकर लैब तक में व्यापक कार्य होगा, ताकि पराली के प्रत्येक तत्व की उपयोगिता को ढूंढा जा सके। इसके तहत फतेहाबाद, सिरसा, करनाल, कैथल, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत, जींद, हिसार जिलों में सर्वे और रिसर्च वर्क किया जाएगा।

> पराली के उपयोग को लेकर विभिन्न अनुसंधान चल रहे हैं। विवि को प्रदेश में बायो रिफाइनरी प्लांट लगाने को लेकर एक प्रोजेक्ट मिला है, जिस पर विवि के वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। **– प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।**

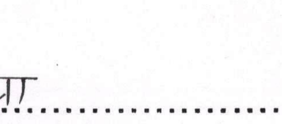

पराली से फाइबर बनाएगी कंपनी

एचएयू की टीम सर्वे और रिसर्च वर्क पूरा कर रिपोर्ट कंपनी को सौंपेगी। फिनलैंड की फोर्टम कंपनी सर्वे और रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश में उस जगह को चिह्नित करेगी, जहां बायो रिफाइनरी प्लांट लगाना सबसे अधिक उपयुक्त होगा। कंपनी इस प्लांट में फसल अवशेषों विशेषकर पराली से फाइबर बनाने का काम करेगी, जिसका उपयोग पेपर और टेक्सटाइल इंडस्ट्री में किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....

दिनांक 11.4.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 2-5

अवसर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भर्तियां फिर से शुरू, 54 फीसद विज्ञानी हैं कम

एचएयू में जल्द भरे जाएंगे डीन, डायरेक्टर्स के पद

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय के बाद भर्तियां फिर से शुरू हो गई हैं। हाल ही में विवि प्रशासन ने डीन व डायरेक्टर्स के बड़े पदों की रिक्तियां निकाली हैं। ऐसे करीब 46 पद हैं, जिन पर भर्तियां की जानी है। जो भी अभ्यर्थी इन पदों के लिए इच्छुक हैं तथा दिए गए पात्रता मापदंडों का पालन करते हैं, वह उम्मीदवार इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। एचएयू में विज्ञानियों की संख्या मौजूदा समय में 450 है। जबकि सेंशन पोस्ट करीब 1050 शिक्षकों की है। ऐसे में 54 फीसद विज्ञानी कम होने के कारण विश्वविद्यालय को कई दिक्कतें आ रही हैं।

पिछले वर्षों में तेजी से सेवानिवृत्त हुए विज्ञानी: पिछले कुछ वर्षों से तेजी से विज्ञानी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनकी भरपाई के लिए शिक्षकों की जगह ही नहीं निकलती, ऐसे में पद खाली ही बने रहते हैं। यही कारण है कि हर बार मार्च के बाद तेजी से पद खाली ही होते रहे हैं। इसके साथ ही एडमिन के कुछ पदों की जिम्मेदारी विज्ञानी संभाल रहे हैं। जबकि उन्हें अपना समय कक्षाओं में देना बहुत जरूरी होता है। ऐसे में एडमिन और शिक्षण कार्य दोनों ही प्रभावित होते हैं। कार्य होते जरूर हैं।

इन बड़े पदों की निकली हैं भर्तियां

- डीन, कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कालेज
- डीन, कृषि विद्यालय
- डीन, पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज
- जिला विस्तार विशेषज्ञ
- सहायक प्रोफेसर
- सहायक वैज्ञानिक

इन विभागों में विज्ञानियों के पदों पर निकाली रिक्तियां

कालेज ऑफ एग्रीकल्चर
- एग्रीकल्चर मेट्रोलॉजी
- एग्रोनॉमी
- बिजनेस मैनेजमेंट
- एक्सटेंशन एजुकेशन
- जेनेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग
- प्लांट पैथोलॉजी
- सॉइल साइंस
- सीड साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- वेजिटेबल साइंस

कालेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
- प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग
- फार्म मशीनरी एंड पॉवर इंजीनियरिंग
- बेसिक इंजीनियरिंग
- रिन्यूवल एंड बॉयो एनर्जी
- साइड वाटर इंजीनियरिंग

कालेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्यूमेनिटी
- बॉयो केमेस्ट्री
- केमेस्ट्री
- लेंग्वेज एंड हरियाणवी कल्चर
- फिजिक्स
- सोशियोलॉजी
- जूलॉजी एंड एग्रीकल्चर
- मॉल्यूकुलर बॉयोलॉजी, बॉयो टेक्नोलॉजी

कालेज ऑफ होम साइंस
- टेक्सटाइल एंड एपीरल डिजाइनिंग
- एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट
- फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट
- फूड एंड न्यूट्रिशन
- ह्यूमन डेवलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर........

दिनांक ..12.4.2021.... पृष्ठ संख्या....2........ कॉलम.....4-5........

गूगल मीट से ऑनलाइन परीक्षा में नकल रोकना बड़ी चुनौती

एचएयू ने नकल रोकने को बनाई सर्विलांस टीम

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू प्रशासन ऑफलाइन परीक्षा ले रहा है मगर विदेशी परीक्षार्थियों की ऑनलाइन परीक्षा ली जाती है। ऑनलाइन परीक्षा के दौरान गूगल मीट से निगरानी रखकर नकल रोकना विवि प्रशासन के लिए चुनौती है। हालांकि विवि के अधिकारियों का कहना है कि 20 से 30 विदेशी छात्र ही ऐसे होते हैं, जिनकी निगरानी 15 टीचर करते हैं इसलिए नकल की संभावना नहीं रहती है। हालांकि ऑनलाइन परीक्षा के दौरान कोई विशेष सॉफ्टवेयर विवि के पास नहीं है।

एचएयू के विभिन्न कोर्स में करीब ढाई हजार छात्र अध्ययनरत हैं। कोरोना काल में छात्र एवं छात्राओं की पढ़ाई अभी ऑनलाइन चल रही है। मगर विवि प्रशासन परीक्षार्थियों की परीक्षा ऑफलाइन ले रहा है। विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों को परीक्षा केंद्र बनाया है। जिनमें नकल रोकने के लिए निगरानी को अलग से टीम मौजूद रहती है। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि अफगानिस्तन और नाइजीरिया के घर जा चुके छात्रों को ऑनलाइन परीक्षा देने की छूट दी गई है। ऐसे बीस से तीस छात्र होते हैं। गूगल मीट के माध्यम से छात्रों पर नकल की निगरानी की जाती है। कुलपति का कहना है कि जिन छात्रों की परीक्षा ऑनलाइन होती है, उनकी निगरानी के लिए छह सर्विलांस टीमें भी बनाई गई है, जिनमें 15 से अधिक टीचर शामिल हैं। जोकि लिंक के माध्यम से किसी भी समय गूगलमीट से जुड़कर निगरानी करते हैं। हालांकि अधिकतर विदेशी छात्र गूगल मीट पर लैपटॉप से जुड़ते हैं, जिसके कारण नकल की संभावना नहीं रहती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक 12.4.2021 ...... पृष्ठ संख्या ......3...... कॉलम ......1-2......

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

गन्ने की बिजाई के 40 दिन बाद लगाएं पहला पानी

गन्ने की बिजाई के लगभग 40 दिन बाद पहला पानी लगाएं। बत्तर आने पर गुड़ाई करें। यदि बिजाई के समय एट्राजीन नहीं डाल पाए हों तो पहली सिंचाई के बाद गुड़ाई करके 1.6 किलोग्राम एट्राजीन-50 घु.पा. प्रति एकड़ की दर से 200-250 लीटर पानी में घोलकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। इससे गन्ना फसल पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता।

अतः फसलीकरण में इस शाकनाशक का प्रयोग न करें। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों को नियंत्रण करने के लिए 1.0 किलोग्राम 2,4-डी (80 प्रतिशत सोडियम नमक) 250 लीटर पानी में बिजाई के 7-8 सप्ताह बाद प्रति एकड़ छिड़काव करें। यदि फसल मोथा घास (डीला) की समस्या हो तो घास उगने पर 2,4-डी ईस्टर का 400 एमएल प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि मोथा घास दोबारा उग जाए तो दवाई की इसी मात्रा का फसल में छिड़काव करें। 2,4 डी मोथा घास को ऊपर से ही नष्ट करती है। मोथा घास (डीला) की रोकथाम के लिए सैम्प्रा (75 प्रतिशत हैलोसल्फ्युरान) का 36 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के 35-45 दिन बाद (पहली सिंचाई के 2-3 दिन बाद) जब मोथा घास 3-5 दिन की हो, तब फ्लैट फैन नोजल से छिड़काव करें। अंतः फसलीकरण में इस शाकनाशक का प्रयोग न करें।

डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।

स्केल कीड़ा सोनीपत और फरीदाबाद जिलों के कुछ गांवों में भी गंभीर रूप से आ गया है। इसके फैलाव को रोकने के लिए बीज ऐसी फसलों व क्षेत्रों से न लें, जहां इस कीड़े का प्रकोप हो। कीड़ाग्रस्त क्षेत्रों से दूसरे क्षेत्र में गन्ना बिजाई के लिए नहीं ले जाना चाहिए। केवल स्वस्थ बीज बोएं और अच्छे जमाव के लिए बीज को 5-10 मिनट 250 ग्राम मैन्कोजेब दवा 100 लीटर पानी के घोल से उपचारित करें। काटने के बाद सभी पत्तियों व नए फुटाव को खेतों में नष्ट कर दें। कीटग्रस्त क्षेत्रों में एक से अधिक मोढ़ी फसलों में काली चींटी के नियंत्रण के लिए 40 मिली. क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी को 400 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। फरवरी व मार्च में बोई गन्ने की फसल में अप्रैल के आखिर में 65 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ डालें। *(संदीप बिश्नोई, हिसार)*

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला........

दिनांक ..12.4.2021.. पृष्ठ संख्या ....3.... कॉलम ....3-6....

तरबूज, बेर, सिटरस ने बदली दो भाइयों की जिंदगी, बागवानी से कमा रहे लाखों

गांव बिसलबास निवासी रामनिवास और कृष्ण ने तीन साल पहले शुरू की थी बागवानी

नवनीत शर्मा

भिवानी। राजस्थान की सीमा से सटे लोहारू ब्लॉक के गांव बिसलवास के मरुस्थल इलाके में जहां परंपरागत खेती कर पाना किसानों के लिए दूभर हो गया, वहीं अब रेतीले टीलों पर रसीले फलों की बहार ला दी है। ये कमाल दो किसान भाइयों ने किया है, जो परंपरागत खेतीबाड़ी में बारिश और नहरी पानी के इंतजार में आंखों के सामने फसल सूखते हुए देखकर दुखी हो उठते थे। लेकिन अब रेतीली धरा पर तरबूज, बेर, सिटरस, किन्नू, नींबू, माल्टा व मौसमी की खेती कर हर साल लाखों कमा रहे हैं।

लोहारू ब्लॉक के गांव बिसलबास के किसान कृष्ण व रामनिवास के पास दस एकड़ पुश्तैनी भूमि थी। ये भूमि रेतीली होने की वजह से यहां पर कुछ भी पैदावार पानी के बिना नहीं हो सकती थी। ऐसे में दोनों भाइयों ने परंपरागत खेती के साथ बागवानी शुरू की।

कृष्ण ने बताया कि उसके और बड़े भाई रामनिवास के पास दस एकड़ पुश्तैनी भूमि है। जिसमें पहले वो परंपरागत खेती करते थे, मगर इसमें ज्यादा आमदनी नहीं थी। फिर उन्होंने तीन साल पहले तरबूज की फसल शुरू की। जिसमें आमदनी बढ़ने पर उसने अन्य फलों जिसमें बेर, किन्नू, नींबू, मौसमी भी शुरू कर दी। वो दो एकड़ भूमि में जैविक गेहूं की फसल भी लगा रहे हैं। (संवाद)

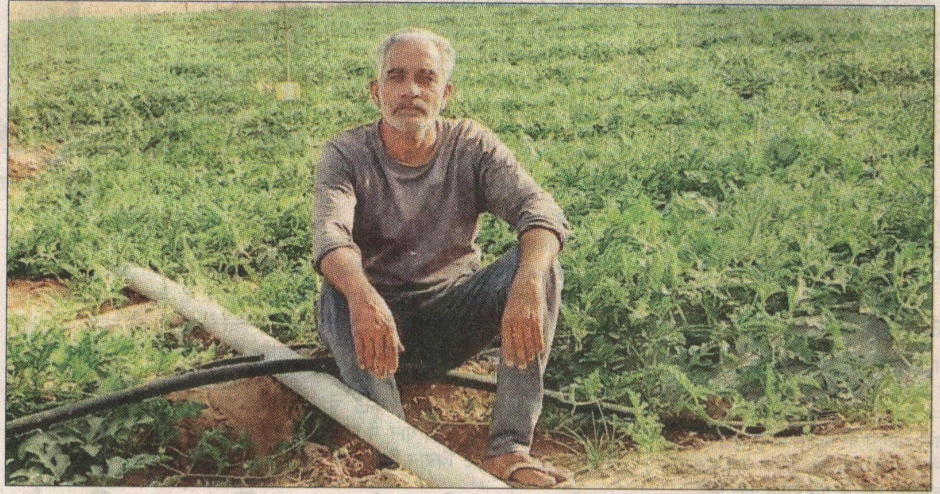

बिसलवास निवासी किसान कृष्ण अपने खेत में काम करते हुए। संवाद

बागवानी बनी कुबेर का खजाना

कृष्ण ने बताया कि तीन साल पहले उन्होंने तरबूज की खेती शुरू की थी। तरबूज की बिजाई फरवरी माह में की जाती है, जिसकी फसल अप्रैल से जून तक रहती है। उन्होंने डेढ़ एकड़ में तरबूज लगा रखे हैं, जिसमें करीब डेढ़ लाख रुपये की आमदनी हो रही है। वहीं तीन एकड़ में थाई एप्पल की झाड़ियां लगाई है। जिसमें प्रति एकड़ के हिसाब से 50 हजार रुपये की बचत होती है। इसी तरह पिछले साल ही एक एकड़ में मौसमी और दो एकड़ में किन्नू और नींबू लगाए हैं। बाकी की भूमि पर जैविक गेहूं की खेती की हुई है।

खुद करते हैं मार्केटिंग

गांव बिसलबास निवासी कृष्ण ने बताया कि लोहारू से उनके गांव की दूरी सात किलोमीटर है। इसलिए वह अपने अधिकांश उत्पाद खेत में ही बिक्री करता है। बाकी के लिए वह लोहारू सब्जी मंडी और ट्रैक्टर के माध्यम से आस-पास के गांव में खुद ही बिक्री के लिए चले जाते हैं। उन्होंने अपने खेत में ड्रिप इरिगेशन, वाटर टैंक बनाए हैं। जिसके लिए कृषि विभाग से भी कुछ सब्सिडी मिली है। आमदनी बढ़ने पर उसने अन्य फलों जिसमें बेर, किन्नू, नींबू, मौसमी भी शुरू कर दी है।

“ परंपरागत खेती के साथ बागवानी के माध्यम से किसानों की आय के स्रोत बढ़े हैं। किसान अपने परिवार के साथ मिलकर खुद का रोजगार स्थापित कर सकता है। किसानों को अन्य जगह रोजगार की तलाश में नहीं निकलना पड़ा। बागवानी के लिए सरकार भी सब्सिडी देती है, जिससे किसान अपनी बागवानी शुरू कर सकते हैं। कृषि विभाग समय-समय पर किसानों को बागवानी संबंधित लाभकारी योजनाओं से अवगत करवा रहा है। - **डॉ. मुरारीलाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ बागवानी, कृषि विज्ञान केंद्र, भिवानी।**